शैक्षिक सत्र–2026–27

(22) ट्रेड–बैकिंग

कक्षा– 12

पाठ्यक्रम की उपयोगिता––

बैंकिंग धाराओं के अध्ययन के उपरान्त छात्र निम्न प्रकार के रोजगार प्राप्ति करता है––

(1) क्लर्क, (2) रोकड़िया, (3) लिपिक तथा रोकड़िया, (4) गोदाम संरक्षक, (5) लिपिक तथा गोदाम संरक्षक, (6) रोकड़िया तथा गोदाम संरक्षक, (7) लिपिक तथा टाइपिस्ट।

उद्देश्य––

वर्तमान परिस्थितियों में छात्रों का बैंकिंग के सैद्धान्तिक ज्ञान का होना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु उसे व्यावहारिक ज्ञान की भी अति आवश्यकता है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुये बैंकिंग के मूलभूत सिद्धान्त के अतिरिक्त छात्रों को बैंकिंग सेवा के लिये तैयार करना भी है। रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर होने में यह कदम सहायक सिद्ध होगा।

पाठ्यक्रम––

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा :

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक––				
प्रथम प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखा शास्त्र––I	60	300	20	100
द्वितीय प्रश्न–पत्र–बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––II	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र––व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन	60		20	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र––बैंकिंग	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र––बैंकिंग	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक––				
आन्तरिक परीक्षा	200	400	200	
बाह्य परीक्षा	200			

टीप––परीक्षार्थियों को प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

प्रथम प्रश्न–पत्र

(बहीखाता तथा लेखाशास्त्र––I)

अधिकतम––60 अंक

न्यूनतम––20 अंक

1––प्रेषण, संयुक्त साहस खाते, चालू हिसाब और औसत भुगतान विधि। 20

2––साझेदारी फर्म के खाते––प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु तथा साझेदारी समापन की दशा में। 20

3––भारतीय बहीखाता पद्धति के सैद्धान्तिक अध्ययन और बहियों का प्रयोग। 20

द्वितीय प्रश्न–पत्र

(बहीखाते तथा लेखाशास्त्र––II)

अधिकतम––60 अंक

न्यूनतम––20 अंक

1––कम्पनी खाते––अंशों का निर्गमन तथा आहरण, बोनस, अंश ऋण पत्रों का निर्गमन एंव शोधन कम्पनी से अन्तिम खाते (कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार)। 40

2––बैंक सम्बन्धी लेखे। 10

3––बैंकिंग कम्पनियों के लाभ–हानि, खाता एवं चिट्ठा, बैंकिंग अधिनियम के अनुसार। 10

तृतीय प्रश्न–पत्र

(व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन)

अधिकतम––60 अंक

न्यूनतम––20 अंक

1––कार्यालय उपकरण––श्रम, बचत, उपकरणं 20

2––विवरण के माध्यम थोक व्यापार, फुटकर व्यापार,श्रंखला दुकानें, विभागीय भण्डार, डाक द्वारा व्यापार 20

3––बीजक (देशी तथा विदेशी) तथा बिक्री विवरण तैयार करना। 20

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(बैंकिंग)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––भारतीय मुद्रा बाजार एवं वित्त बाजार––मुख्य अंग, दोष, सुधार के उपाय। 10

2––साख एवं साख पत्र–साख का अर्थ, भेद अनुकूल परिस्थितियां, विनिमय विपत्र, प्रतिज्ञा–पत्र, हुण्डी, बैंक ड्राफ्ट, स्वीकृति पत्र एवं चेक/चेक के प्रकार, भेद, रेखांकन, बेचान एवं अनादरण। 40

3––विदेशी मुद्रा का क्रय एवं विक्रय। 10

पंचम प्रश्न–पत्र
(बैंकिंग)

अधिकतम––60 अंक
न्यूनतम––20 अंक

1––बैंकों का राष्ट्रीयकरण। 10

2–सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, कृषक सेवा समितियाँ, लीड बैंक, भूमि विकास बैंक, डाक विभाग की बैंकिंग सेवायें। 25

3––समाशोधन गृह––बैंकों द्वारा चेकों एवं बिलों आदि का समाशोधन महत्व, संग्रहकर्त्ता (बैंक) द्वारा रखी जाने वाली सावधानियां 25

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

अधिकतम––400 अंक
न्यूनतम––200 अंक

बड़े प्रयोग––

1––बैंकों में खाते खोलने के विभिन्न प्रपत्रों को भरना एवं निकासी प्रपत्रों का पासबुक एवं लेजर खातों में लेखा करना, पासबुक में ब्याज की गणना एवं चढ़ाना, पे–इन–स्लिप द्वारा जमा धनराशि का लेजर खातों में प्रविष्टि करना, बैंक ड्राफ्ट, एस0टी0 टी0टी0 एवं पे–आर्डर तैयार करना तथा उनकी पोस्टिंग कराना, ऋण सम्बन्धी आवश्यक प्रपत्रों को भरना।

छोटे प्रयोग––

2––साप्ताहिक विवरण, रिर्टन तैयार करना एवं प्रधान कार्यालय भेजना, बैंकों के खातों का रख–रखाव तथा बैंक सम्बन्धी रोकड़ बही, लेजर, तलपट तथा अन्तिम खातों का निर्माण तथा बी0एम0––9 भरना।

(ख) अनुक्रमणिका का निर्माण, चेकों का लिखना, निर्गमन करना एवं निर्गमन रजिस्टर में लेखा करना, चेकों का पृष्ठांकन एवं रेखांकन करना, चेकों की वैधता की जांच करना, पे–इन–स्लिप, विनियम पत्र, प्रतिज्ञा–पत्र, हुण्डी व ट्रेजरी बिलों का लिखना, विभिन्न श्रम संघक–पत्रों का प्रयोग, रेडी–रेकनर द्वारा गणना, बाउचर कैश मेमो जमा तथा नाम पत्र भरना, बीजक, विक्रय विवरण तैयार करना, पत्र प्राप्ति पुस्तक, डाक–व्यय रजिस्टर, प्यून बुक तथा खुदरा रोकड़ बही का लिखना।

(ग) प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु अंक विभाजन

1––बाह्य परीक्षक द्वारा परीक्षा 200 अंक––

(क) चार बड़े प्रयोग (20+20+20+20) बड़े प्रयोग की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ख) चार छोटे प्रयोग (10+10+10+10) छोटे प्रयोगों की सूची के प्रत्येक खण्ड से दो–दो।

(ग) मौखिकी (40) प्रयोगों की सूची के आधार पर।

(घ) प्रैक्टिकल नोट–बुक एवं विभिन्न प्रपत्रों का संकलन––40 अंक।

2––आन्तरिक परीक्षा (200)––

(क) सत्रीय कार्य (100) अंक––

सत्रीय कार्य का विभाजन––

उपस्थिति अनुशासन	10 अंक
लिखित कार्य	20 अंक
दो वर्षों में पाँच टेस्ट लिये जायेंगे	50 अंक
मौखिकी	20 अंक
योग . .	**100 अंक**

(ख) औद्योगिकी प्रतिष्ठानों द्वारा प्रदत्त श्रेणी के आधार पर––100 अंक।

प्रस्तुत पुस्तकें––

क्रमांक	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन का नाम एवं पता	मूल्य	संस्करण वर्ष

1	2	3	4	5	6
		सर्वश्री––		रु0	
1	बहीखाता तथा लेखा शास्त्र बैंकिंग ग्रुप	सिंह एवं अग्रवाल	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	30.00	1888–89
2	मुद्रा एवं बैंकिंग	डा0 श्रीकान्त मिश्र	श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, हास्पिटल रोड, आगरा––3	25.00	1988–89
3	भारतीय मुद्रा तथा बैंकिंग	विजय पाल सिंह	भारत प्रकाशन मन्दिर, मेरठ	35.00	1988–89
4	व्यावसायिक एवं कार्यालय संगठन	. .	. .	28.00	1988–89
5	भारतीय मुद्रा बैंकिंग	. .	. .	21.00	1988–89
6	व्यावसायिक बहीखाता	. .	. .	30.00	1988–89

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक

(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।